आईएएस की लिखित परीक्षा में टॉपर से 2 नम्बर कम, रैंक मिली 177

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 11 June 2017 11:23

: कप्तान से डीएम के पाले में कूदे कासिम आब्दी के पिता को है मलाल : अहिरौली के आब्दी ने आईआईटी की तैयारी की थी, लेकिन □ सिविल सर्विसेज में सलेक्ट हो गये : लिखित में दो नम्बर, और इंटरव्यू में 70 नम्बरों का लोचा ही रैंकिंग बिगाड़ गया :

राजकुमार सिंह

जौनपुर :यहां के□क गांव में जन्मे □स □म कासिम आब्दी ने आई ए □स में 177 वी रैंक हासिल कर न केवल अपने गांव परिवार और जिले का नाम रोशन किया बल्कि अपनी दिली मुराद भी पूरी की! उसे आई ए □स बनने का ऐसा जुनुन सवार हुआ कि 2016 में आई पी □स में चयनित होने के बाद भी तैयारी जारी रखी और कामयाबी की बुलन्दी को हासिल किया। कासिम के पिता को मलाल इस बात का है कि देश की सबसे बडी संघ लोकसेवा आयोग की लिखित परीक्षा में टापर से मात्र 2 नम्बर कम पाने वाले को 177 वी रैंक मिली। लेकिन इंटरव्यू के नम्बरों ने उसकी रैंक को बिगाड़ दिया। हालांकि आब्दी के पिता अपने बेटे के कमाल से बेहद खुश है। पूरे घर में जश्न का माहौल है।

जौनपुर जिले के सदर तहसील के अहिरौली गांव निवासी सैय्यद अकबर आब्दी के बेटे □स्□म कासिम आब्दी की प्रारम्भिक शिक्षा से कक्षा 10 तक की पढाई सेन्ट पैट्रिक स्कूल पन्चहटिया से हुई! इसके बाद इंटर तक की पढाई रिजवी लर्नर्स सुतहट्टी से करने के बाद 2004 में आई आई टी की परीक्षा दी जिसमे सेलेक्शन नही हो पाया। इसी बीच बन्सल कोचिंग कोटा में सेलेक्शन हो गया। 2005 में आई आई टी की प्रवेश परीक्षा में स□ल हुये और

1 / 2

बी □च यू से सेरेमिक में इन्जीनीयरिन्ग की डिग्री प्राप्त की! 2011 से दिल्ली में तैयारी करते हुये आई □ □स की परीक्षा में शामिल हुये□ 2016 में 186 वी रैंक हासिल कर IPS बन कर जिले का नाम रोशन किया ! कासिम को इससे सुकुन मही मिला□ उन्होने IPS की ट्रेनिंग हैदराबाद में शुरु कर दी लेकिन IAS के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयारी भी जारी रखी और 2017 में 177वी रैंक हासिल कर IAS बन गये□ उनकी इस स□लता से उनका पुरा परिवार व गांव खुश है□

सतहरिया पेप्सी कम्पनी में □च आर मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त कासिम के पिता अकबर आब्दी को कष्□ट इस बात का है कि उनका लडका टाप टेन में क्यों नही आया□ जौनपुर के आब्दी को लिखित परीक्षा में 50% से अधिक नम्बर और इंटरव्यू में 47 फीसदी , 2017 में आई□ □स परीक्षा में आल इंडिया में टॉप करने वाली कर्नाटक की नंदनी के आर को लिखित परिक्षा में 1750 में मिले हैं 884 नम्बर जबकि जौनपुर के कासिम आब्दी को लिखित परीक्षा में मिला 1750 में 882 नम्बर□ जबकि इंटरव्यू में टॉपर नंदनी के आर को मिले 300 में 210 नम्बर और जौनपुर के आब्दी को मात्र 140 नम्बर□

(अब www.meribitiya.com की हर खबर को
फौरन हासिल कीजिए अपनी फेसबुक पर।
मेरी बिटिया डॉट कॉम के फेसबुक पेज पर पधारिये और LIKE पर क्लिक कीजिए)

(अपने आसपास पसरी-पसरती दलाली, अराजकता, लूट, भ्रष्टाचार, टांग-खिंचाई और किसी प्रतिभा की हत्या की साजिशें किसी भी शख्स के हृदय-मन-मस्तिष्क को विचलित कर सकती हैं। समाज में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या घटना भी मेरी बिटिया डॉट कॉम की सुर्खिया बन सकती है। चाहे वह स्त्री सशक्तीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्चों अथवा वृद्धों से केंद्रित हो। हर शख्स बोलना चाहता है। लेकिन अधिकांश लोगों को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रतिक्रिया कैसी, कहां और कितनी करनी चाहिए।अब आप निःश्चिंत हो जाइये। अब आपके पास है एक बेफिक्र रास्ता, नाम है प्रमुख न्यूज पोर्टल www.meribitiya.com। आइंदा आप अपनी सारी बातें हम www.meribitiya.com के साथ शेयर कीजिए न। ऐसी कोई घटना, हादसा, साजिश की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्पर्क कीजिए। आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान छिपा लेंगे, आपका नाम-पता गुप्त रखेंगे। आप अपनी सारी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्तार से भेज दें। आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी बेहिचक फोन कर सकते हैं।)